

# 1947 में लेही का राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन के खिलाफ पत्र बम साजिश

1947 के मध्य में, जब ब्रिटिश मैंडेट फिलिस्तीन में तनाव बढ़ रहा था, सायनवादी अर्धसैनिक समूह लेही, जिसे स्टर्न गैंग के नाम से भी जाना जाता है, ने एक साहसी लेकिन अंततः असफल प्रयास किया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन को पत्र बमों के जरिए निशाना बनाया गया। यह कम चर्चित घटना, जो लेही के अधिक कुख्यात कृत्यों की छाया में रही, समूह की उन अंतरराष्ट्रीय हस्तियों पर हमला करने की इच्छा को दर्शाती है, जिन्हें वे यहूदी राज्य की अपनी दृष्टि में बाधा मानते थे। हालांकि यह साजिश कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकी, यह 1948 में इज़राइल की स्थापना से पहले अमेरिकी विदेश नीति और यहूदी विद्रोह के अस्थिर चौराहे को रेखांकित करती है।

## पृष्ठभूमि: लेही और फिलिस्तीन के लिए संघर्ष

लेही, जिसे 1940 में अब्राहम स्टर्न ने स्थापित किया था, इरगुन ज़वाई लेउमी नामक बड़े संगठन से अलग हुआ एक कट्टरपंथी समूह था, जो दोनों ही ब्रिटिश शासन को समाप्त करने और यहूदी राज्य स्थापित करने की मांग कर रहे थे। अधिक संयमित इरगुन के विपरीत, लेही ने चरम रणनीतियों को अपनाया, जिसमें हत्याएं और बम विस्फोट शामिल थे, जो ब्रिटिश अधिकारियों, अरब नागरिकों और यहां तक कि उदारवादी यहूदियों को निशाना बनाते थे। 1947 तक, लेही का अभियान तेज हो गया था, जो ब्रिटेन की यहूदी आप्रवासन पर प्रतिबंधात्मक नीतियों—जो 1939 के श्वेत पत्र में संहिताबद्ध थीं—और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा फिलिस्तीन प्रश्न के समाधान में धीमी प्रगति से उत्पन्न निराशा से प्रेरित था।

राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन, जिन्होंने अप्रैल 1945 में पदभार संभाला, इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। यहूदी शरणार्थियों और सायनवादी कारण के प्रति सहानुभूति रखने वाले, ट्रूमैन ने यहूदी मातृभूमि की स्थापना का समर्थन किया और 14 मई 1948 को इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा के कुछ मिनट बाद ही उसे मान्यता दी। हालांकि, 1947 में, उनकी सरकार को परस्पर विरोधी दबावों का सामना करना पड़ा: यहूदी आकांक्षाओं का समर्थन करते हुए अरब देशों के साथ संबंध बनाए रखना और ब्रिटिश मैंडेट के अराजकता में उलझने से बचना। ट्रूमैन के फिलिस्तीन में यहूदी आप्रवासन बढ़ाने और संयुक्त राष्ट्र के विभाजन योजना का समर्थन करने की मांग को लेही जैसे समूहों ने अपर्याप्त माना, जो किसी भी देरी या समझौते को विश्वासघात के रूप में देखते थे।

## साजिश: क्वाइट हाउस को पत्र बम

1947 के मध्य में, लेही के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति ट्रूमैन और क्वाइट हाउस के वरिष्ठ कर्मचारियों को संबोधित पत्र बमों की एक शृंखला भेजी। ये उपकरण, जो साधारण डाक के रूप में प्रच्छन्न थे, एक व्यापक अभियान का हिस्सा थे, जिसमें ब्रिटिश अधिकारियों, जैसे विदेश सचिव अर्नेस्ट बेविन और औपनिवेशिक सचिव आर्थर क्रीच जोन्स को भी इसी तरह के बम भेजे गए थे। इस साजिश को लेही के नेतृत्व ने अंजाम दिया, जिसमें संभवतः यित्जाक शमीर जैसे लोग शामिल थे, जो बाद में इज़राइल के प्रधानमंत्री बने और इस अवधि के दौरान लेही के अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पत्र बम अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही, संभवतः अमेरिकी डाक या सुरक्षा सेवाओं द्वारा, रोक लिए गए, हालांकि अवरोधन के विशिष्ट विवरण दुर्लभ हैं। कोई विस्फोट नहीं हुआ, और न ही किसी चोट या मृत्यु की सूचना मिली। उस समय इस घटना को न्यूनतम सार्वजनिक ध्यान मिला, संभवतः अमेरिका-सायनवादी संबंधों में तनाव बढ़ाने या और हमलों को प्रोत्साहित करने से बचने के लिए। ऐतिहासिक रिकॉर्ड, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर हत्या के प्रयासों और लेही की गतिविधियों के विवरण शामिल हैं, इस साजिश के अस्तित्व की पुष्टि करते हैं, लेकिन सीमित विवरण प्रदान करते हैं, जो इसके एक छोटे, असफल अभियान के रूप में स्थिति को दर्शाता है।

## उद्देश्य: ट्रूमैन को क्यों निशाना बनाया गया?

लेही का टूमैन को निशाना बनाने का निर्णय उनकी इस धारणा से उपजा था कि अमेरिकी नीति सायनवादी लक्ष्यों का पर्याप्त समर्थन नहीं कर रही थी। टूमैन के यहूदी आप्रवासन और यहूदी मातृभूमि के लिए समर्थन के बावजूद, लेही ने उनकी सरकार के सतर्क दृष्टिकोण को—जो अरब और ब्रिटिश हितों को संतुलित करता था—एक बाधा के रूप में देखा। समूह की व्यापक रणनीति का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपनी “मुक्ति युद्ध” को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना और वैश्विक शक्तियों पर निर्णायक कार्रवाई के लिए दबाव डालना था। टूमैन को निशाना बनाकर, लेही यह संदेश देना चाहता था कि कोई भी नेता उनकी पहुंच से बाहर नहीं है, यह उम्मीद करते हुए कि वे कूटनीतिक निष्क्रियता को बाधित करेंगे और अपने कारण की ओर ध्यान आकर्षित करेंगे।

पत्र बम की रणनीति लेही के लिए नई नहीं थी। उन्होंने पहले भी इस तरह के हमलों में इसका उपयोग किया था, जिसमें 1946 में ब्रिटिश अधिकारियों पर एक प्रयास और 1944 में मध्य पूर्व में ब्रिटेन के राज्यमंत्री लॉर्ड मोयन की हत्या शामिल थी। 1947 का अभियान इस दृष्टिकोण को अमेरिका तक विस्तारित करता था, जो लेही की बढ़ती साहसिकता और हताशा को दर्शाता था, क्योंकि फिलिस्तीन संघर्ष तेज हो रहा था।

## परिणाम और प्रभाव

नाकाम साजिश का तत्काल प्रभाव बहुत कम था। टूमैन, बिना किसी डर के, फिलिस्तीन के प्रति अमेरिकी नीति को आकार देना जारी रखा, जो 1948 में इज़राइल की त्वरित मान्यता में परिणत हुआ। इस घटना ने अमेरिका-सायनवादी संबंधों को उल्लेखनीय रूप से नहीं बदला, संभवतः इसकी गोपनीयता और यहूदी राज्य के लिए अमेरिकी समर्थन के व्यापक संदर्भ के कारण। लेही, जिसे संयुक्त राष्ट्र, ब्रिटिश और अमेरिकी सरकारों के साथ-साथ डेविड बेन-गुरियन जैसे मुख्यधारा के सायनवादी नेताओं द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में निंदा की गई थी, 1948 में इज़राइल की स्थापना के बाद भंग कर दिया गया। इसके सदस्य इज़राइल रक्षा बलों में एकीकृत हो गए, और कुछ, जैसे शमीर, प्रमुख राजनीतिक भूमिकाओं तक पहुंचे।

ऐतिहासिक कथाओं में इस साजिश की अस्पष्टता इसके ठोस परिणामों की कमी और उस समय अमेरिका-इज़राइल संबंधों की संवेदनशीलता को दर्शाती है। 1948 में लेही द्वारा फोल्के बर्नार्डोट की हत्या के विपरीत, जिसने अंतरराष्ट्रीय आक्रोश को भड़काया, टूमैन साजिश एक फुटनोट बनी रही, जो केवल लेही की गतिविधियों या अमेरिकी राष्ट्रपतियों की सुरक्षा के विवरण में संक्षेप में उल्लेखित है।

## विरासत और ऐतिहासिक महत्व

1947 में टूमैन के खिलाफ पत्र बम साजिश इज़राइल से पहले की सायनवादी आंदोलन की जटिलताओं को उजागर करती है, जिसमें उदारवादी और उग्रवादी दोनों गुट शामिल थे। लेही के कार्यों को, हालांकि चैम वीज़मैन और बेन-गुरियन जैसे व्यक्तियों द्वारा निंदा की गई थी, व्यापक संघर्ष का हिस्सा थे, जिसने अंततः इज़राइल की स्थापना में योगदान दिया, हालांकि उनकी विधियों ने सहयोगियों को अलग कर दिया और कूटनीति को जटिल बना दिया। यह घटना मध्य पूर्व में अमेरिकी भागीदारी की शुरुआती चुनौतियों को भी रेखांकित करती है, क्योंकि टूमैन ने अरब-इज़राइल संघर्ष में अमेरिका की भूमिका को परिभाषित करने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाया।

आज, इस साजिश का उल्लेख कभी-कभी अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर हत्या के प्रयासों या लेही की विवादास्पद विरासत के बारे में चर्चाओं में किया जाता है। एक्स जैसे मंचों पर, इस घटना के संदर्भ कभी-कभी अमेरिका-इज़राइल संबंधों पर सवाल उठाने वाले कथनों में दिखाई देते हैं, लेकिन इनमें अक्सर सूक्ष्मता की कमी होती है या लेही के प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इतिहासकार इस साजिश को एक छोटी लेकिन खुलासा करने वाली घटना के रूप में देखते हैं, जो यह दर्शाती है कि उग्रवादी समूह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार थे।

## निष्कर्ष

1947 में लेही की राष्ट्रपति हैरी एस. टूमैन के खिलाफ पत्र बम साजिश फिलिस्तीन संघर्ष के एक महत्वपूर्ण क्षण में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हस्ती को डराने का एक असफल प्रयास था। हालांकि इसने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, यह लेही की कट्टर रणनीतियों और राज्य की स्थापना के लिए सायनवादी संघर्ष के उच्च दांव को दर्शाता है। टूमैन की दृढ़ता और यहूदी राज्य के

लिए निरंतर समर्थन ने आधुनिक मध्य पूर्व को आकार देने में मदद की, जिससे लेही की साजिश एक परिवर्तनकारी युग में एक क्षणिक, यदि साहसी, अवज्ञा का कार्य बन गया।